Soil Health Card Mobile App Launch

Hon'ble Union Minister of Agriculture and Farmers Welfare Shri Radha Mohan Singh launched Soil Health Card Mobile application on the occasion of World Soil Day - 5th December 2017 in Jhajjar, Haryana.

केंद्रीय कृषि मंत्री ने झज्जर में दिलाया धरती मां की सेहत सुधारने का संकल्प

कृषि मंत्री धनखड़ की अध्यक्षता में राज्यस्तरीय विश्व मृदा दिवस कार्यक्रम आयोजित, केंद्रीय मंत्री बोले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रदान की सॉयल हेल्थ मैनेजमेंट को गति

विनीत नरुला, झज्जर

भारत सरकार में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री राधा मोहन सिंह ने किसानों से अपील करते हुए कहा कि अगर धरती मां बीमार रहेगी तो उसका बेटा किसान भी खुशहाल नहीं होगा।

किसान और खेत में मां-बेटे का संबंध है और मां की सेहत को सुधारने का हम सबको संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने यह बात मंगलवार को गांव बीड़ सुनार वाला स्थित कृषि विज्ञान केंद्र में विश्व मृदा दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह को संबोधित करते हुए कही।

पैरी अर्बन मॉडल के लिए कृषि मंत्री धनखड़ की पहल प्रशंसनीय

राधा मोहन सिंह ने पैरी अर्बन मॉडल को लेकर हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री ओमप्रकाश धनखड़ की प्रशंसा करते हुए कहा कि आगामी पांच वर्ष के दौरान पैरी अर्बन मॉडल से हरियाणा के किसान खुशहाल भी बनेंगे। उन्होंने हरियाणा के किसानों को बधाई दी कि चीन की राजधानी बीजिंग के पैरी अर्बन मॉडल के अनुसार दिल्ली एनसीआर की जरूरतों के मुताबिक खेती करने की ओर आप अग्रसर हो रहे हैं। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री ओमप्रकाश धनखड़ की इस पहल की जितनी प्रशंसा की जाए उतनी कम है।

हर दो साल में होगी मिट्टी की जांच

हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री ओमप्रकाश धनखड़ की अध्यक्षता में आयजित कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री ने बताया कि हरियाणा के सभी किसानों को आगामी जनवरी माह तक अपने-अपने खेत का सॉयल हेल्थ कार्ड मिलेगा। हेल्थ कार्ड बनने के उपरांत हर दो वर्ष में मिट्टी की जांच होगी और जमीन की सेहत के लिए उपयोगी तत्वों की अनुशंसा इस कार्ड में दर्ज की जाएगी ताकि किसान अपनी भूमि के सेहत को सुधार सके। किसान अपने खेत का सॉयल हेल्थ कार्ड बनवाने के लिए ऑनलाइन पंजीकरण भी कर सकते हैं। हर किसान के लिए धरती मां है और यह समय की मांग है कि मां-बेटे के संबंध को पुन: जीवित करें। उन्होंने चिंता जताते हुए बताया कि रासायनिक उर्वरकों व कीटनाशकों के

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री राधा मोहन सिंह व हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री ओमप्रकाश धनखड़ दीप प्रज्वलन कर समारोह का उद्घाटन करते हुए।

अंधाधुंध इस्तेमाल से लाखों हेक्टेयर जमीन मर चुकी है। सॉयल हेल्थ कार्ड में दर्ज जमीन की सेहत के हिसाब से हम धरती मां की सेवा करेंगे।

देश में 10 करोड़ किसानों को मिले सॉयल हेल्थ कार्ड : केंद्रीय कृषि मंत्री राधा मोहन सिंह ने बताया कि स्वतंत्रता प्राप्ति के उपरांत देश में 10 से 12 वर्षों के दौरान कृषि क्षेत्र में किसी प्रकार का सुधार या निवेश नहीं हुआ। वर्ष 1965 में लाल बहादुर शास्त्री देश के प्रधानमंत्री बने तो हरित क्रांति की शुरुआत हुई। वर्ष 1980 से लेकर 2000 तक कृषि क्षेत्र को लेकर सरकारों की उदासीनता बनी रही। जब अटल बिहारी वाजपेयी वर्ष 2000 में प्रधानमंत्री बने तो कृषि क्षेत्र में सुधार हुए लेकिन उनके बाद दस वर्ष तक रही सरकार के कार्यकाल में भी किसानों के प्रति उदासीनता बनी रही। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने किसानों के दर्द को समझा और देश की धरती की हालत सुधारने के लिए सॉयल हेल्थ मैनेजमेंट कार्यक्रम को गति दी। सॉयल हेल्थ कार्ड बनाने व टेस्टिंग लैब स्थापित करने के लिए सभी राज्यों को केंद्र की ओर से मदद दी गई। जिसके चलते आज देश में दस करोड़ किसानों को सॉयल हेल्थ जारी हो चुके हैं।

सेहत नहीं सुधरी तो बंजर हो जाएगी धरती : हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री ओमप्रकाश धनखड़ ने दुख व्यक्त करते हुए कहा कि आज धरती मां की सेहत अच्छी नहीं है। धरती की सेहत अच्छी नहीं होने से उसके पुत्र-पुत्रियों की सेहत भी लगातार बिगड़ रही है। जिसके चलते हरियाणा में हर साल 23 हजार कैंसर व अन्य बीमारियों से ग्रसित नए रोगी सामने आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि एक समय देश को अनाज की जरूरत थी। हरियाणा और पंजाब के किसानों के हरित क्रांति का नेतृत्व करते हुए देश को अनाज के मामले में आत्मनिर्भर बनाया। उन्होंने कहा कि हरियाणा के किसान प्रतिवर्ष 13 करोड़ क्विंटल अनाज केंद्रीय पुल में जमा कराते है लेकिन इस उपलब्धि के कारण 28 लाख क्विंटल रासायनिक खाद का इस्तेमाल होता है जिस पर खर्च होने वाले 5500 करोड़ रुपये में 3400 करोड़ रुपये की सब्सिडी भी होती है। इसके अतिरिक्त अनेकों पेस्टीसाइड के इस्तेमाल से जमीन में जीवांश की मात्रा कम होती गई। अगर यह मात्रा शून्य पर पहुंच गई तो हमारी धरती बंजर हो जाएगी।

धरती की सेहत को लेकर प्रधानमंत्री चिंतित

धनखड़ ने बताया कि बेटियों की रक्षा के लिए जिस तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पानीपत की धरती पर झोली फैलाकर बेटियों का जीवन मांगा था उसी तरह आज देश के कृषि मंत्री राधा मोहन सिंह भी धरती मां की रक्षा के लिए हरियाणा आए। उन्होंने कहा कि मनुष्य विकास करता है उससे संतुलन बिगड़ जाता है। धान की पराली जलाने व रासायनिक उर्वरकों-कीटनाशकों के इस्तेमाल से धरती मां का स्वास्थ्य लगातार बिगड़ रहा है। धरती मां की सेहत को लेकर लगातार प्रधानमंत्री चिंतित है।

उन्होंने हाल में अपने मन की बात कार्यक्रम में भी सबसे अधिक जोर धरती मां की सेहत में सुधार पर दिया है। जैविक खाद, केंचुआ खाद आदि के इस्तेमाल से भूमि की उर्वरा शक्ति को बढ़ा सकते हैं। हरियाणा की कृषि योग्य 90 लाख एकड़ भूमि के लिए आज का कार्यक्रम बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि मेरे खेत की सेहत अच्छी होगी तो मेरे परिवार की सेहत भी अच्छी होगी साथ ही सीमा पर खड़ा जवान भी तंदुरूस्त होगा और खाने-कमाने वाले पुत्र-पुत्री भी सेहतमंद होंगे।

धरती पुत्रों के लिए प्रधानमंत्री का जताया आभार

बहादुरगढ़ से भाजपा विधायक नरेश कौशिक ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का केंद्र व हरियाणा में धरती पुत्रों को कृषि व किसान कल्याण की जिम्मेवारी देने के लिए आभार जताया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार किसानों की भलाई के लिए जो भी कार्यक्रम लागू करती है उससे सबसे पहले हरियाणा में क्रियांवित किया जाता है। उन्होंने कहा कि किसानों को आपदा के समय सबसे अधिक मुआवजा व सॉयल हेल्थ कार्ड आदि कार्यक्रम चलाकर सरकार ने किसानों के मनोबल को ऊंचा किया है।

हरियाणा में 28 लाख किसानों को मिले सॉयल हेल्थ कार्ड

हरियाणा में कृषि विभाग के प्रधान सचिव डॉ. अभिलक्ष लिखी ने बताया कि हरियाणा में सॉयल हेल्थ मैनेजमेंट सिस्टम के तहत वर्ष 2015-16 में प्रारंभिक चरण के दौरान 28 लाख किसानों को सॉयल हेल्थ कार्ड प्रदान किए गए है। दूसरे चरण में राज्य के सभी किसानों को सॉयल हेल्थ कार्ड दिए जाएंगे।

केंद्रीय मंत्री ने मोबाइल एप किया लांच

विनीत नरुला, झज्जर। भारत के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री राधा मोहन सिंह ने मंगलवार को झज्जर के बीड़ सुनार वाला स्थित कृषि विज्ञान केंद्र में आयोजित राज्य स्तरीय विश्व मृदा दिवस कार्यक्रम में भूमि का हेल्थ कार्ड बनवाने के लिए विशेष रूप से तैयार किए गए मोबाइल एप्लीकेशन को लांच किया। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री ओमप्रकाश धनखड़ की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम के दौरान लांच किए गए मोबाइल एप के जरिए किसान सॉयल हेल्थ के लिए ऑनलाइन पंजीकरण कर सकेंगे। इसके एप के अतिरिक्त सॉयल हेल्छ कार्ड से संबंधित अधिक जानकारी कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से विशेष रूप से तैयार की गई सॉयलहेल्थ डॉट डीएसी डॉट जीओवी डॉट इन से भी प्राप्त की जा सकती है। इस अवसर पर भाजपा विधायक नरेश कौशिक, चौधरी चरण सिंह कृषि विवि हिसार के कुलपति डा. केपी सिंह, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग हरियाणा के प्रधान सचिव डॉ. अभिलक्ष लिखी, निदेशक डी. के. बेहरा, उपायुक्त सोनल गोयल, एनआईसी की डिप्टी डायरेक्टर जनरल डॉ. रंजना नागपाल, सीनियर टेक्निकल डायरेक्टर प्रतिभा लोखंडे आदि गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

मोबाइल एप को लांच करते हुए, ओमप्रकाश धनखड़ व भाजपा विधायक नरेश कौशिक।

ddinews.gov.in/people/agriculture-minister-launches-soil-health-card-mobile-app

Hyderabad Max 29.0°C Min 19.0°C IFFI - 2017 Live TV हिन्दी

DD NEWS डीडी न्यूज़ DD NEWS

National International Business Sports Entertainment Sci-Tech Health People Special Story Videos

Home | People | Agriculture Minister launches Soil Health Card Mobile App

Agriculture Minister launches Soil Health Card Mobile App

05-12-2017 | 6:58 pm Share Now

Hon'ble Agriculture Minister Shri Radha Mohan Singh addresses farmers on the occasion of World Soil Day in Jhajjar, Haryana

On the occasion of World Soil Day, Union Agriculture and Farmers Welfare Minister Radha Mohan Singh said that the objective of SHC is to provide information about the Soil Health to 120 million farm holdings in the country.

The Agriculture Minister stated it while addressing farmers on the occasion of World Soil Day in Jhajjar, Haryana today. It is worth mentioning that every year World Soil Day is celebrated on 5th December. In India, Soil Health Card scheme was launched in February 2015 in Rajasthan. The Minister said that Soil Health Card mobile App has been launched today to help the farmers.

The app will benefit field-level workers as it will automatically capture GIS coordinates while registering sample details at the time of sample collection in the field and indicate the location from where the sample has been collected.

This app works like other Geotagging apps developed for the Rashtriya Krishi Vikas Yojana. The app contains farmers' details including name, Aadhaar card number, mobile number, gender, address etc. The Minister said that SHC informs farmers about nutrients status of the soils along with the recommendation on appropriate dosage of nutrients to improve soil health and fertility.
A farm will get the soil card once in every 2 years so that nutrients deficiency can be regularly detected and improved. He said that the imbalanced use of fertilizers damages the fields and reduces production.

The Minister informed that in the first phase (2015-17) 100 million SHCs have been distributed so far. The aim of the Ministry is to provide SHC to all 120 million farm holdings by December, 2017. The second phase began on May 1, 2017, and will continue for the year 2017 to 2019.

The Agriculture Minister said that the key features of Soil Health Card include a uniform approach to collect samples and test them in the laboratory, covering all the land in the country and renew SHC every two years. This scheme is being implemented in collaboration with State Governments. GPS based soil sample collection has been made compulsory to monitor the changes in soil and to prepare a systematic database to compare them with the past years'.

The Minister further said the online registration of samples and test results are uploaded on the National Portal of the Soil Health Card. Based on the test results, the system automatically calculates the recommendations.